दुर्गादत्त पाण्डेय

पूर्व अध्यक्ष छात्र-संघ

शिवहर्ष किसान पीजी कालेज

फाउंडर/कन्वेनर- एल्युमनी एसोसिएशन

ब्लॉगर/स्तम्भकार/विचारक

महरीखावां, गांधीनगर, बस्ती उप्र

272001

सेवा मे,

माननीय प्रधानमंत्री जी

भारत, नई दिल्ली

विषय: उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद की माटी मे जन्मे हिन्दी साहित्य के महान साहित्यकार, समीक्षक व निबंधकार महान विभूति आचार्य रामचंद्र_शुक्ल जी स्मृति बस्ती मे एक हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध मे:

आदरणीय महोदय,

आप महोदय का ध्यान उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद की माटी मे जन्मे हिन्दी साहित्य के महान साहित्यकार, समीक्षक व निबंधकार महान विभूति आचार्य रामचंद्र_शुक्ल जी के बारे मे आकृष्ट कराना चाहते हैं।

4 अक्तूबर 1884 को हमारे यहाँ अगौना मे जन्मे आचार्य रामचंद्र_शुक्ल बीसवीं शताब्दी के हिन्दी के प्रमुख साहित्यकार थे। उनकी द्वारा लिखी गई पुस्तकों में हिन्दी साहित्य का इतिहास प्रमुख है, जिसका हिन्दी पाठ्यक्रम को निर्धारित करने मे प्रमुख स्थान है।

उच्च शिक्षा की दृष्टि से बस्ती मण्डल मुख्यालय होता हुआ भी एक विवि की स्थापना से अभी तक अधूरा है आचार्य शुक्ल के हिन्दी जगत मे उल्लेखनीय योगदान के चलते उनकी स्मृति मे बस्ती मे एक हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना हो सके तो यह एक महान कदम होगा।

आचार्य रामचंद्र_शुक्ल हिन्दी विवि हिन्दी के साथ ही भोजपुरी, अवधी, नेपाली आदि भाषाओं का एक अध्ययन केंद्र पूर्वोत्तर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने हेतु विशेष रियायत के साथ बने तो यह विवि

उत्तर एवं दक्षिण का भी सेतु बनेगा। विवि को गुरु वशिष्ठ अध्ययन केंद्र के माध्यम से संस्कृत एवं पालि सहित प्राचीन भाषाओं का अध्ययन केंद्र भी बनाया जा सकता है।

आचार्य राम चंद्र शुक्ल हिन्दी विवि को संगीत, नाटक एवं लोककला के केंद्र के रूप मे भी विकास एक सराहनीय पहल होगी।

पूर्व मे केंद्र सरकार ने वर्धा मे महात्मा गांधी हिंदी विवि की स्थापना की है इन नियमों के तहत उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग बस्ती मे भी आचार्य राम चंद्र शुक्ल हिंदी विवि की स्थापना एक महान कदम होगा।

स्थानीय शिवहर्ष किसान पोस्ट ग्रेजुएट कालेज के पास अपने कैंपस के अतिरिक्त बस्ती-भदेश्वरनाथ मार्ग पर लगभग 7 एकड़ जमीन एवं बस्ती-गोंडा सीमा पर जनपद गोंडा मे 35 एकड़ जमीन कूप नगर ग्रांट जनपद गोंडा मे है पर आसानी से आचार्य राम चंद्र शुक्ल हिंदी विवि के परिसर कि स्थापना की जा सकती है। यह जमीन कालेज की है और पिछले 35 सालों से यहाँ का प्रबंधन जिलाधिकारी बस्ती के पास है जिसका जनहित मे उपयोग आसानी से प्रस्तावित किया जा सकता है।

महोदय आपका ध्यान आकृष्ट करना है कि उच्च शिक्षा की दृष्टि से बस्ती मण्डल मुख्यालय होता हुआ भी एक विवि की स्थापना से अभी तक अधूरा है आचार्य शुक्ल के हिन्दी जगत मे उल्लेखनीय योगदान के चलते उनकी स्मृति मे बस्ती मे आचार्य राम चंद्र शुक्ल हिंदी विवि की स्थापना एक महान कदम होगा। बस्ती की पहचान अभी बगल के अयोध्या और गोरखपुर से होती है इस हिन्दी विवि की स्थापना से देश विदेश के नक्शे पर बस्ती को एक पहचान मिलेगी।

आप महोदय से आग्रह करना है कि बस्ती मे आचार्य राम चंद्र शुक्ल हिंदी विवि की स्थापना एक महान कदम होगा।

(दुर्गादत्त पाण्डेय)

मु० महरीखावां, पो०-गांधीनगर,

जनपद- बस्ती उप्र 272001

मोबाइल: 9984607306

02.08.2025